सफलता@360डिग्री

रामायण नामदेव

सफलता@360डिग्री

प्रथम संस्करण

लेखक

रामायण नामदेव

पुस्तक शीर्षक: सफलता@360डिग्री

प्रथम संस्करण – **2025**

Copyright 2025 © रामायण नामदेव

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the copyright owners.

Disclaimer

The author is solely responsible for the contents published in this book. The publishers don't take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the editors or publishers to avoid discrepancies in future.

E-ISBN: 978-93-7020-901-5

MRP Rs. 170/-

Publisher, Printer & Distributor:
Selfypage Developers Pvt. Ltd.,
Pushpagiri Complex,
Beside SBI Housing Board,
K.M. Road Chikkamagaluru, Karnataka.
Tel.: +91-8861518868
E-mail: info@iipbooks.com

IMPRINT: IIP Iterative International Publishers

For Sales Enquiries:
Contact: +91- 8861511583
E-mail: sales@iipbooks.com

लेखक की कलम से दो शब्द

मेरी यह पुस्तक " सफलता@360 डिग्री ", का मुख्य उद्देश्य अपने अनुभवों और अध्ययन को – उन लोगो तक पहुचाना है, जो मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों से है एवं यथासंभव उनकी प्रतिभाओं को आगे लाना है -क्योकिं जब आप इन्हीं परिस्थितियों से आगे बढते हो तो इस मार्ग से गुजरने का अनुभव उस क्षेत्र के बच्चों के लिए -जहां आज भी सुविधाएं एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध नही है ,उपयोगी हो सकता है. यद्यपि यह मेरा छोटा सा प्रयास है एवं परम पिता परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ होकर- सर्व हेतु अपने अनुभव और अध्ययन को बांटने के एक उद्देश्य के रूप में - इस पुस्तक को लिखा गया है. . ठीक उसी तरह - जैसे- घने अंधेरें में माचिस की एक छोटी तीली की लौ का प्रकाश भी बहुत उपयोगी होता है ,विशेषकर उन छात्रों के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों से हैं एवं आज भी हर तरह की सुविधाओं और जानकारियों से वंचित है.

मेरे छात्र जीवन में , शिक्षक स्व. श्रीरामरुचि मिश्रा जी का बहुत बडा योगदान रहा है. कक्षा5 ,कक्षा6 एवं कक्षा8 में विज्ञान की जो पढाई ,ब्यक्तिगत एवं शालास्तर पर उनने करायी ,उसे मैं अपने विद्यार्थी जीवन की नींव कह सकता हूं.यद्यपि वो आज हमारे बीच भौतिक रूप से विद्यमान नही है -लेकिन एक आदर्श शिक्षक के रूप में वो सदैव मेरे हृदय में विराजमान रहेंगें. और इस पुस्तक " सफलता@360 डिग्री " के माध्यम से उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उनकी स्मृति में इस पुस्तक को, सर्व विशेषकर विद्यार्थियों के लिए , समर्पित करता हूं.

द्वारा-
रामायण नामदेव

लेखक परिचय

नाम-रामायण नामदेव
पिता जी का नाम- स्व. श्री सीताराम नामदेव
माता जी का नाम-स्व. श्रीमती रामकली नामदेव
जन्मतिथि- 20 अगस्त-1966
जन्मस्थान- ग्राम -मझौली जिला सीधी मध्यप्रदेश -486666
शिक्षा - बी.ई.(आनर्स) इलेक्ट्रिकल ,एम.टेक.(कम्प्यूटर टेकनालाजी), एम.ए.(अर्थशास्त्र)
Certified Energy Auditor (Bureau of Energy Efficiency)

मेरी प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, ग्राम मझौली जिला सीधी एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, माडल स्कूल रीवा में हुई. बी.ई. इलेक्ट्रिकल ,शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रीवा एवं एम.टेक (कम्प्यूटर टेक्नोलाजी) शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर एवं एम.ए.(अर्थशास्त्र) रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर से पूरा किया.

कार्यरत- सम्प्रति छत्तीसगढ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूसन कंपनी लिमिटेड रायपुर में कार्यपालक-निदेशक (Executive Director) के पद पर कार्यरत एवं कंपनी में 37 वर्षों की सेवा पूरी की.

पूर्व प्रकाशित पुस्तकें-
1. आधी-दुनिया (हिन्दी कविता संग्रह-2019)
2. Holi and Empowerment of Women in India (49 Poems in English-2021)
3. शतक में एक मेरी कविता- शाहीन बाग दिल्ली कुछ कहती है (हिन्दी कविता संग्रह-2023)

संपर्क सूत्र-
1. मोबाइल-8770809874
2. वाट्सएप- 9406202288
3. ईमेल- rp.namdeo20@gmail.com

कृतज्ञता

हम अपने चारों ओर परिवार, समाज, प्रदेश, देश, विश्व और सृष्टि को देखते हैं-जो हमारा आसपास विद्यमान पर्यावरण है. हम इस पर्यावरण में अपना बचपन गुजारते है ,अध्ययन करते हैं और कौशल विकसित कर, अपनी जीविका का साधन बनाते है और जीवन की यह यात्रा ऐसे ही क्रमबध्यता के साथ आगे बढती रहती है. जीवन के विभिन्न पडाव में हमें अच्छी-अच्छी विभूतियों को देखने का अनुभव होता है. उनसे हम सीखते हैं औऱ निरंतर आगे बढते जाते है.

प्रत्येक मानव अपनी-अपनी प्रकृति अनुसार सृजन करता है और मेरी यह पुस्तक "सफलता@ 360 डिग्री" इसी का एक भाग है.जिसमें हमारे आसपास मौजूद सभी गुरुजन, मार्गदर्शक, मित्र, शुभचिंतक, वरिष्ठ,अनुज, स्नेहिल सभी छोटे-छोटे बच्चे, परिवार, समाज , हमारी प्रकृति, दृश्य-अदृश्य सभी ज्ञात-अज्ञात शक्तियां एवं परम पिता परमेश्वर जगद्गुरु मेरे आराध्य श्रीकृष्ण, सभी की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष, सहयोग, प्रेरणा, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं सम्मिलित है.जिसके लिए मन, वचन और कर्म से बहुत-बहुत कृतज्ञ हूं एवं आभार सहित, कामना करता हूं कि-ऐसी ही सद्भावना सर्वदा सबकी बनी रहे .

द्वारा-
रामायण नामदेव

सफलता@360डिग्री-विषय सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	लेखक की कलम से दो शब्द	iii
2	लेखक परिचय	iv
3	कृतज्ञता	V
4	सफलता @360 डिग्री मेरी सफलता-असफलता –एक दृष्टिकोण- मेरी यात्रा ,एक विश्लेषण – सफलता-असफलता के परिपेक्ष में	1 -14
5	सफलता का एकैक मंत्र	15
6	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या प्रथम)	16
7	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या द्वितीय)	17-18
8	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या तृतीय) –सफलता की गणितीय ब्याख्या	19-20
9	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या चतुर्थ)	21-24
10	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या पंचम)	25-26
11	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या षष्टम)-सफलता का दृश्य-अदृश्य विज्ञान सिध्यान्त	27-30
12	सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या सप्तम)	31-34
	आसक्त बुद्धि सर्वत्र जीतात्मा (**कर्मपथ वृत्त की कर्म मीमांसा**)	31-34
	1. प्रथम विकल्प(प्रथम परिस्थिति) –जब मनुष्य(कर्ता) कर्मवृत्त के केन्द्रबिन्दु C0(समता या सन्तुलन बिन्दु) में स्थिति होकर समस्त अन्य कर्म करता है.	31-33
	2. द्वितीय विकल्प(दूसरी परिस्थिति) –जब मनुष्य(कर्ता) कर्मवृत्त के परिधि में स्थिति एक बिन्दु (दिए गए चित्र के अनुसार (C1) में स्थिति होकर समस्त अन्य कर्म करता है.	33-34

13 सफलता @360 डिग्री (ब्याख्या अष्टम) –सफलता के 8 आयाम 35-37

13.1 **1.1 आयाम1-श्रीकृष्ण मीमांसा-एक(सफलता के 5 मूल कारक तत्व) –** 35-37

1.1.1 अधिष्ठाता(शरीर,परिवार,गांव,शहर,देश,विश्व) 38
1.1.2 कर्ता 38-39
1.1.3 करण(साधन) 39
1.1.4 चेष्टाएं(अभ्यास और उसकी विधियां) 40
1.1.5 प्रारब्ध (पूर्व संचित कर्म) 40-41

13.2 **1.2 -आयाम-2 सफलता की श्रीकृष्ण मीमांसा-द्वितीय(सहज कर्म ,शास्त्रयुक्तता और समता योग) -** 41-47

1.2.1 सहज कर्म (प्रेम और ऊर्जा) 41-43
1.2.2 समता योग (आसक्त बुद्धि) 43-45
1.2.3 शास्त्रयुक्तता (विधि-अनुशासन) 45
1.2.4 समन्वय(मन ,वचन , काया और भाव का) 46-47

13.3 **1.3 आयाम3-लक्ष्य** 47-49

1.3.1 भौतिक लक्ष्य
1.3.2 आध्यात्मिक लक्ष्य

1.3.1 भौतिक लक्ष्य-

1.3.1.1 शिक्षा के क्षेत्र में
1.3.1.2 खेल के क्षेत्र में
1.3.1.3 ब्यापार के क्षेत्र में
1.3.1.4 सामाजिक जीवन में
1.3.1.5 कृषि क्षेत्र में
1.3.1.6 अन्य जैसे-राजनीतिक जीवन में

1.3.2 आध्यात्मिक लक्ष्य–

1.3.2.1 स्वाधीन होना (आत्म निर्भर होना)
1.3.2.2 परमार्थ से जुडना
1.3.2.3 अहिंसा ,करुणा,सम्मान ,स्नेह
1.3.2.4 पक्षियों को दाना-पानी देना
1.3.2.5 वृक्ष लगाना और उनकी देखभाल करना आदि आदि

13.4 **1.4.आयाम4-(प्रार्थना,कृतज्ञता,धन्यवाद और प्रशंसा)** 50
1.4.1 ईश्वर
1.4.2 माता-पिता-गुरु
1.4.3 परिवार
1.4.4 मित्र

13.5 **1.5 आयाम5-स्वास्थ्य और संतुलन –** 50-56
1.5.1 तन का स्वास्थ्य
1.5.2 मन का स्वास्थ्य
1.5.3 बुद्धि का स्वास्थ्य
1.5.4 भाव का स्वास्थ्य
1.5.5 सन्तुलन

13.6 **आयाम6-संगति और सूत्र-मंत्र –** 56-60
1.6.1 अच्छी संगति
1.6.2 अच्छी पुस्तकें
1.6.3 धीरे-धीरे चलें
1.6.4 गागर से सागर की ओर
1.6.5 समय पर निर्णय लेने की क्षमता
1.6.6 जिज्ञासा
1.6.7 एकाग्रता
1.6.8 सत्यनिष्टा ,धैर्य ,विश्वास और विनम्रता

13.7 **1.7 आयाम7-समय निवेश , अभ्यास और प्रयोग –** 60-75
1.7.1 हार की तैयारी
1.7.2 जीत की तैयारी
1.7.3 अभ्यास
1.7.4 समय का निवेश
1.7.5 नए नए प्रयोग
1.7.6 अभिरुचि का समावेश
1.7.7 मूल्यांकन
1.7.8 आदर्श कहानी

13.8 **1.8 आयाम8-विस्तृत प्रथम योजना एवं द्वितीय योजना(Back up) ,** 75-78
1.8.1 सुझाव और सुधार (Feedback and Reform)
1.8.2 विस्तृत प्रथम योजना (रोड मैप)

1.8.3 द्वितीय योजना
1.8.4 मांग और आपूर्ति अध्ययन (Demand and Supply Study)
1.8.5 सुभाव और सुधार (Feedback and Reform)

14 **सफलता-असफलता के मूल-सिध्यान्तों की ब्याख्या करती मेरी 26 कविताएं** **78-155**

1. जीत-हार या हार-जीत 79-81
2. उठो भारत उठो ,मन से उठो-तन से उठो 81-84
3. प्रतिभा सम्राट बनती है 84-85
4. पर्वत कितना ही विशाल क्यों न हो ? एक दिन टूटता है 85-87
5. आइए समय का समय में निवेश करें. 87-90
6. बडा निवेश –बडा लक्ष्य पाएं . 90-91
7. सफलता - समय के संस्कार की दर से 91-94
8. लिए वही ताजगी व मुस्कान 94-96
9. आइए हाथ बढाए इनकी ओर 96-97
10. हम सब हनुमान जी की तरह हैं. 97-98
11. आराध्य श्रीकृष्ण का फुटबाल कर्म सिद्धांत 98-101
12. कोयल बोले कुहु कुहु 101-107
13. सफलता की श्रीकृष्ण मीमांसा 107-111
14. सफलता - उच्च दृष्टिकोण की दर से 112-115
15. हम धीरे-धीरे चले 115-117
16. वाहन धीरे चलाएं-विशाल लक्ष्य पाएं- 117-119
17. हार ने मिलकर एक जीत हासिल की 119-120
18. हार की संपूर्ण तैयारी – मजबूत बने 120-126
19. सकारात्मकता है-जैसे फेवीकोल का मजबूत जोड 127-129
20. हर संभावनाओं के बीज आपके अन्दर मौजूद हैं 129-131
21. सौभाग्य 131-135
22. आओ सीखे क्रिक्रेट से सफलता का गुरुमंत्र 135-141
23. मेरा छोटा सा सपना 141-143
24. आओ करें सुन्दर पढाई 143-148
25. दशरथ मांझी –फाल्गुनी ताज पथ 148-151
26. भाग-मिल्खा-भाग 151-155

लेखक परिचय

नाम – रामायण नामदेव
पिता जी का नाम: स्व. श्री सीताराम नामदेव
माता जी का नाम: स्व. श्रीमती रामकली नामदेव
जन्मतिथि: 20 अगस्त 1966
जन्मस्थान: ग्राम मझौली, जिला सीधी, मध्यप्रदेश – 486666

शैक्षणिक योग्यता:
बी.ई. (ऑनर्स) – इलेक्ट्रिकल
एम.टेक. – कंप्यूटर टेक्नोलॉजी
एम.ए. – अर्थशास्त्र
Certified Energy Auditor – (Bureau of Energy Efficiency)
प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा: ग्राम मझौली, जिला सीधी
उच्चतर माध्यमिक शिक्षा: मॉडल स्कूल, रीवा
स्नातक: बी.ई. (इलेक्ट्रिकल) – शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रीवा
स्नातकोत्तर: एम.टेक. (कंप्यूटर टेक्नोलॉजी) – शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर
एम.ए. (अर्थशास्त्र): पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर

कार्य अनुभव:
वर्तमान में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर में
कार्यपालक निदेशक (Executive Director) के पद पर कार्यरत।
कंपनी में 37 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा का अनुभव।

पूर्व प्रकाशित पुस्तकें:
1. आधी-दुनिया (हिन्दी कविता संग्रह – 2019)
2. Holi and Empowerment of Women in India (49 Poems in English – 2021)
3. शतक में एक मेरी कविता – शाहीन बाग दिल्ली कुछ कहती है (हिन्दी कविता संग्रह – 2023)

संपर्क सूत्र:
मोबाइल: 8770809874
वाट्सएप: 9406202288
ईमेल: rp.namdeo20@gmail.com

Selfypage Developers Pvt Ltd

e-ISBN : 978-93-7020-901-5

9 789370 209015

MRP Rs. 170/-